स्तन कर्करोग जागरूकता महिना (ऑक्टोबर)

स्तन कर्करोग तथ्य

28 में से 1

भारतीय महिलाओं के जीवनकाल में स्तन कर्करोग विकसित होने की संभावना है।

सांख्यिकी

लगभग 5-10% स्तन कर्करोग के मामले आनुवांशिक होते हैं।

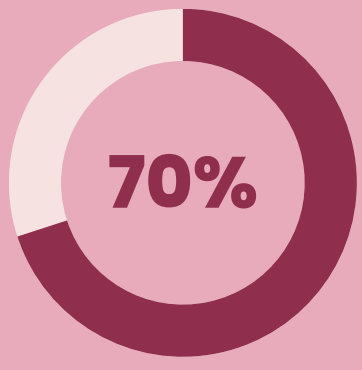

स्तन कर्करोग के मामलों का जल्दी पता नियमित जांचों जैसे मैमोग्राफी और क्लिनिकल ब्रेस्ट परीक्षा के माध्यम से लगाया जा सकता है।

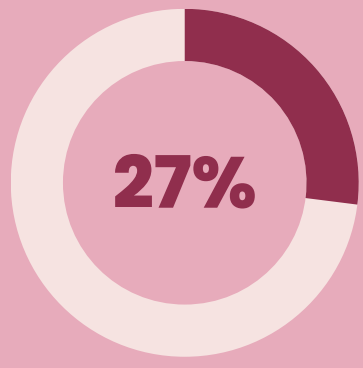

महिलाओं में सभी कैंसर के मामलों में से स्तन कर्करोग होते हैं

वैश्विक

2.3 M

हर साल महिलाओं को स्तन कर्करोग का निदान होता है

स्व-परिक्षण

नियमित स्व-परिक्षण स्तन कर्करोग की रोकथाम और जल्दी पहचान का एक महत्वपूर्ण पहलू है। नियमित स्व-परिक्षण करने से आप: परिवर्तन को जल्दी पहचान सकते हैं।

स्व-परिक्षण कब करें:

- महीने में एक बार:
- रजोनिवृत्ति के बाद:

याद रखें, स्व-परिक्षण मैमोग्राफी जैसी वैद्यकीय जांचों का विकल्प नहीं है।

जोखिम कारक

रजोनिवृत्ति के बाद अधिक वजन या मोटापे का होना आपके जोखिम को बढ़ा सकता है।

स्तन कर्करोग से पीड़ित पहले श्रेणी के रिश्तेदार (माँ, बहन, बेटी) होने से आपका जोखिम बढ़ जाता है।

कुछ आनुवंशिक म्यूटेशन, जैसे **BRCA1** और **BRCA2**, स्तन और अंडाशय के कैंसर का जोखिम बढ़ा सकते हैं।

रजोनिवृत्ति के बाद हार्मोन थेरेपी (HRT) आपके जोखिम को बढ़ा सकती है, खासकर यदि आप इसका लंबे समय तक उपयोग करते हैं।

REF: National Cancer Institute

The information provided by MSPC's Drug Information Centre is for consultation purposes only. It is not a substitute for personalized medical or legal advice. Any treatments or procedures mentioned are informational resources for healthcare professionals and should be considered in light of specific circumstances and medical guidelines. Use this information is at your discretion. While every effort is made to ensure accuracy, Maharashtra State Pharmacy Counci's Drug information Centre is not responsible for any recommendations or errors. The center is not liable for any damages resulting from the use of this information. In case of any discrepancy across newsletter documents, english version will be given due preference.